शिक्षक की मार्गदर्शिका

परिचय

दयालु नागरिक एक स्वतंत्र शैक्षिक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य बच्चों की सभी जीवों के प्रति सम्मान और करुणा विकसित करने तथा जानवरों के लिए बदलाव करने में सहायता करना है.

लक्षित श्रोता

यह कार्यक्रम ८ से १२ वर्ष के छात्रों द्वारा इस्तेमाल करने के लिए है, लेकिन हम शिक्षकों को उन अनुशंसित दिशा-निर्देशों और गतिविधियों को शामिल करने के लिए आमंत्रित करते हैं जिनको वे अपने खास छात्रों के लिए उपयुक्त पाते हैं.

कार्यक्रम के उद्देश्य

दयालु नागरिक निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए बनाया गया है:

- छात्रों की इस समझ में वृद्धि करना कि सभी जानवर जीवित हैं, भावनाएं महसूस करते हैं जो हमारा ध्यान, सम्मान और सुरक्षा चाहते हैं
- विद्यार्थियों को यह पहचानने में मदद करना कि जानवरों को अक्सर वैसी ही जरूरतें और भावनाएं चाहिए जैसी वे खुद महसूस करते हैं, जो छात्रों में दूसरे प्राणियों के प्रति सहानुभूति विकसित करने में उनकी मदद करेगी
- छात्रों को जानवरों की आकर्षक विशेषताओं और क्षमताओं की सराहना करने में सक्षम करना
- छात्रों को यह समझने में मदद करें कि जैसे-जैसे जानवरों के बारे में हमारे ज्ञान में वृद्धि हुई है, मानवों का जानवरों के प्रति सम्मान कैसे बदला है और विकसित हुआ है
- छात्रों को अपने जीवन में जानवरों की सहायता करने की जिम्मेदारी लेने का तरीका दिखाने के अलावा उनको उस प्रगति को पहचानने के लिए सशक्त बनाने में मदद करके जिसे हमने समाज के रूप में पशुओं का इस्तेमाल न करके किया है

दयालु नागरिक को छात्रों के निम्नलिखित लक्ष्यों को पूरा करने में सहायता करने के आपके प्रयासों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है:

- लिखने या बोलने के दौरान उचित व्याकरण और उसके इस्तेमाल पर पकड़ का प्रदर्शन करें
- लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्न और वर्तनी पर पकड़ का प्रदर्शन करें
- पढ़ने की समझ को प्रदर्शित करें
- महत्वपूर्ण सोच-विचार और समस्या को सुलझाने के कौशल को अमल में लाए
- अनुसंधान करें

कार्यक्रम के हिस्से

- दयालु नागरिक डीवीडी
- शिक्षक की मार्गदर्शिका
- बार-बार प्रदर्शित की जा सकने वाली गतिविधि की शीट
- बार-बार प्रदर्शित की जा सकने वाली दयालुता की शपथ
- बार-बार प्रदर्शित की जा सकने वाली रंगीन शीट
- क्लासरूम पोस्टर

गतिविधि की रूपरेखा और जवाब के निर्देश

▶▶ जानवर हमारे जैसे ही हैं

भाग १: स्वर्ण नियम और आप

इस गतिविधि के लिए, छात्रों को पांच परिस्थितियां दी जाएंगी, जिसमें उन्हें पशुओं की आवश्यकताओं और भावनाओं के बारे में अपनी समझके आधार पर काम करने का फैसला करना होगा. उनके सामने स्वर्ण नियम का पालन करने की चुनौती होगी.

आप बोर्ड पर स्वर्ण नियम – ''दूसरों के साथ वैसा ही बतार्व करें जैसा आप उनसे अपने लिए चाहते हैं'' – लिखकर और कक्षा के साथ चर्चा करके इस गतिविधि को शुरू कर सकते हैं. छात्रों से पूछें, ''क्या इंसानों ने जानवरों के साथ इस नियम के अनुसार बर्ताव किया है या क्या वे इसका पालन करने में नाकाम रहे हैं?'' उनको उदाहरण दीजिए और ऐसे जानवरों की मदद करने के तरीके बताने का सुझाव दें जिनके साथ इस नियम के अनुसार बर्ताव नहीं किया जा रहा है.

जवाब अलग-अलग होंगे. यहां कुछ संभावित प्रतिक्रियाएं हैं:

१. **यह परिस्थिति स्वर्ण नियम क्यों नहीं है:** बैल को पीटने से उसे दर्द होगा, लेकिन वह तेजी से नहीं चलेगा क्योंकि गाड़ी बहुत भारी है.

   आप क्या कर सकते हैं: सुझाव दें कि किसान बैल को पीटना बंद करे और भार को कम करे. यदि जानवर चोट लगी है, तो किसी अन्य वयस्क को पशुचिकित्सक या स्थानीय पशु-संरक्षण समूह को कॉल करने के लिए कहें.

२. **यह परिस्थिति स्वर्ण नियम क्यों नहीं है:** घायल पक्षी की मदद करने के लिए कोई भी नहीं रुका.

   आप क्या कर सकते हैं: पक्षी को और ज्यादा चोट पहुंचने से बचाएं. किसी वयस्क से कहें कि वह जीव को इलाज के लिए पशुचिकित्सक के पास ले जाए या स्थानीय पशु-सुरक्षा समूह को सहायता के लिए बुलाएं.

३. **यह परिस्थिति स्वर्ण नियम क्यों नहीं है:** कुत्ते की भोजन, पानी, व्यायाम और साहचर्य की बुनियादी जरूरतों को नजरअंदाज किया जा रहा है.

   आप क्या कर सकते हैं: अपने माता-पिता, शिक्षक या साथ आए किसी अन्य वयस्क से कहें कि वे पशु के मालिक को बताएं कि कुत्ते को भोजन और पानी की जरूरत है और इसे बाहर जंजीर से बांधा नहीं जाना चाहिए. यदि मालिक जरूरी बदलाव नहीं करता है, तो स्थानीय पशु-संरक्षण समूह से संपर्क करें और स्थिति के बारे में आपसे जितना हो सके अधिक से अधिक जानकारी दें.

४. **यह परिस्थिति स्वर्ण नियम क्यों नहीं है:** कछुए को जंगल से निकालने से जानवर का जीवन खतरे में आ जाता है.

   आप क्या कर सकते हैं: कछुए को जंगल में छोड़ें और अपने दोस्त को बताएं कि जानवरों को उनके प्राकृतिक निवास स्थान से हटाना क्यों गलत है.

५. **यह परिस्थिति स्वर्ण नियम क्यों नहीं है:** पक्षियों को आजाद उड़ना और दूसरे पक्षियों के साथ मिलने-जुलने होने की जरूरत होती है, न कि पिंजरे में अकेले बैठना.

   आप क्या कर सकते हैं: अपनी चचेरी बहन से कहें कि पिंजरे में रखने से पक्षी दुखी हो जाते हैं और उन्हें अपने प्राकृतिक घरों में रहने देना चाहिए.

भाग २: सहानुभूति की आदत

इस गतिविधि को विद्यार्थियों की समझ को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है, कि जानवर बहुत कुछ मनुष्यों जैसे ही हैं और उनके साथ सम्मान और करुणा के साथ बर्ताव किया जाना चाहिए, भले ही वे कितने अलग दिखते हों. यह छात्रों को उन कुत्तों के बारे में एक वाक्य पढ़ने के लिए आमंत्रित करता है, जो मनुष्य के बच्चे की रक्षा करते हैं. पाठ दर्शाता है कि जानवरों में दूसरों के लिए चिंता और सहानुभूति की अनुभूति होती है. गतिविधि फिर छात्रों को चुनौती देती है कि वे विशिष्ट परिस्थितियों में तीन अलग-अलग जानवरों की भावनाओं की कल्पना कर सकें और सूचीबद्ध कर सकें.

जवाब अलग-अलग होंगे. कुछ संभावित प्रतिक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल हो सकती हैं:

१. खुश, प्यार, निश्चिंत
२. परेशान, निराश, उदास
३. डर, उदास, अकेला

भाग ३: मैं एक जानवर हूं

इस गतिविधि में, छात्र अपनी पसंद के एक जानवर के नजरिये से एक संक्षिप्त कहानी लिखेंगे और उन तीन इच्छाओं के बारे में सोचेंगे जिनकी जानवर इच्छा कर सकते हैं. वे चित्र के साथ अपनी कहानी का वर्णन भी कर सकते हैं. आप उनसे ऐसे पालतू जानवरों या लावारिस पशुओं जिनको वे जानते हैं की भावनाओं पर चर्चा करने के लिए पूछकर भी इस कार्य को करने की इच्छा कर सकते हैं. पूछें कि वे इन जानवरों की भावनाओं को कैसे पहचान सकते हैं. जानवरों के आस–पास की परिस्थितियों के अनुसार उनका व्यवहार कैसे बदलता है? फिर, सुझाव दें कि अन्य जानवरों को इसी तरह की भावनाओं का अनुभव हो सकता है.

छात्रों के व्यक्तिगत अनुभव और क्षमताओं के अनुसार जवाब अलग–अलग होंगे. सुनिश्चित करें कि वे अपनी कहानी प्रथम व्यक्ति में लिखते हैं लेकिन पशु के दृष्टिकोण से.

पशु अद्भुत होते हैं

भाग १: जानवरों से जुड़े कमाल के तथ्य

यहां, छात्रों को ऐसे जानवरों के बारे में कई सच्चे और आकर्षक तथ्यों की जानकारी मिलेगी, जिससे पता चलता है कि वे कितने जटिल और बुद्धिमान हैं. छात्रों को अपना लेखन कार्य शुरू करने से पहले, कथनों के बारे में कक्षा में चर्चा करें. आप तथ्यों की सूची पढ़ सकते हैं, छात्रों से कहें कि जब वे हैरान हों तो अपने हाथ उठाएं और उनके बारे में अपने विचार साझा करें.

छात्रों के विचारों के आधार पर जवाब अलग–अलग होंगे.

भाग २: जानवर से जुड़ी अपनी जानकारी को आजमाएं

इस गतिविधि को छात्रों को जानवरों की कुछ अतिरिक्त आश्चर्यजनक पशु विशेषताओं और क्षमताओं को बताकर यह जानने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है कि जानवर किस तरह अलग और जटिल हैं. यहां सूचीबद्ध सभी तथ्य दयालु नागरिक डीवीडी में शामिल हैं, इसलिए यदि संभव हो तो वीडियो देखने के बाद यह गतिविधि करें.

ध्यान दें कि सभी कथन सही हैं. उनकी उन छात्रों के साथ समीक्षा करें, जो जवाब में मफ्फालतङ्गङ्ग कहते हैं और वीडियो देखें.

भाग ३: वे कैसा महसूस करते हैं?

यहां, छात्र सोचते हैं कि वे एक खास जंगली जानवर हैं. उन्हें उन प्रजातियों के निवास स्थान पर अनुसंधान करने दें और उनके घर और जीवन पर खतरे के बारे में मानवों को एक आवेगपूर्ण पत्र लिखने दें.

छात्रों के व्यक्तिगत अनुभव और क्षमताओं के साथ–साथ उनके चुने हुए जानवरों के अनुसार जवाब अलग–अलग होंगे. आप पुराने छात्रों द्वारा संपादक को लिखे पत्र ले सकते हैं और उन उपयुक्त वेबसाइटों, पत्रिकाओं, या समाचार पत्रों का सुझाव दे सकते हैं जो उन्हें प्रकाशित कर सकते हैं.

आप जानवरों को कैसे बचा सकते हैं

भाग १: जानवर के सबसे अच्छे दोस्त बनें

इस गतिविधि के लिए, सहानुभूति दिखाने और उनकी आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए छात्र अपने घरों में रहने वाले जानवरों की जरूरतों, भावनाओं और विचारों पर मंथन करेंगे. छात्रों को एक पालतू जानवर चुनना चाहिए और फिर उन चीजों की सूची बनाएं जो उस जानवर को पसंद और नापसंद है, वे चीजें जिनको वे खुद पसंद और नापसंद करते हैं और वे चीजें जिनको वे और जानवर दोनों पसंद और नापसंद करते हैं.

जवाब अलग–अलग होंगे. यहां एक संभावित प्रतिक्रिया है:

कुत्ते को पसंद है:	हम दोनों को पसंद है:	मुझे पसंद है:
गेंद के साथ खेलना	स्वादिष्ट भोजन खाना	वीडियो गेम खेलना

यदि उनके परिवार अपने घरों में जानवर का स्वागत करते हैं तो, इस अवसर को पशु आश्रय या सड़क से कुत्ते या बिल्ली को अपनाने के महत्व पर चर्चा करने के लिए इस्तेमाल करें, इसके साथ–साथ यह सुनिश्चित करने का महत्व पर भी प्रकाश डालें कि वे पशु की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं. कई छात्र बिना इस बात को जाने कि जानवर पशु व्यापार में पीड़ित होते हैं, अपने माता–पिता को मछली, चूहे, हेम्सस्टर, खरगोश, पक्षियों और यहां तक कि बिल्लियों और कुत्तों जैसे जानवरों को उन पालतू जानवरों की दुकान से खरीदने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो उनसे जीवों की बजाए वस्तुओं की तरह बर्ताव करते हैं और उनकी बहुत खास जरूरतों को पूरा करने में विफल रहते हैं.

भाग २: बदलता समय, बदलती सोच

यह गतिविधि आज के दौर में मनुष्यों द्वारा जानवरों का इस्तेमाल किए जाने के कई तरह के तरीकों के बारे में छात्रों को जानकारी देती है और इन उद्देश्यों के लिए जानवरों का इस्तेमाल करने के लिए मौजूदा या नए विकल्पों के बारे में उन्हें सोचने की चुनौती देती है.

जवाब अलग-अलग होंगे. कुछ संभावित प्रतिक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

१. ट्रैक्टर का उपयोग करना
२. कैनवास या किसी अन्य गैर-जानवर सामग्री से जूते बनाना
३. सर्कस से जानवरों को बचाना, उन्हें प्रतिष्ठित अभयारण्यों में भेजना जहां वे शांति के साथ अपने बचे दिन गुजार सकते हैं, और पशु-मुक्त मनोरंजन के विकल्पों का समर्थन करना.

भाग ३: जानवर की ज्यादा जनसंख्या = दुखद गणित

यहां, छात्र उन जानवरों की संख्या की गणना करेंगे, जो तब पैदा हो सकते हैं, जब लोग अपने कुत्ते या बिल्ली की पशुचिकित्सा द्वारा नसबंदी नहीं करवाते हैं. इस गतिविधि के माध्यम से, वे बेघर-जानवरों की ज्यादा जनसंख्या के संकट और समाधानों पर बेहतर समझ प्राप्त करेंगे.

		६	६	७
१	६	३६	५४	२४
+ ६	+ १८	+ ५४	+ १६२	+ २२२
७ (कुल ए)	२४ (कुल बी)	९६ (कुल सी)	२२२ (कुल डी)	३४९ (कुल योग)

अंतिम दो सवालों के जवाब अलग-अलग होंगे, लेकिन सुनिश्चित करें कि छात्र इस बात को समझें कि जानवरों की नसबंदी करना और उन्हें पालतू जानवरों की दुकानों या ब्रीडर से खरीदने की बजाय उन्हें जानवरों के आश्रयों या सड़क से अपनाना बेघर-पशु संकट को हल करने में मदद करने वाले सर्वोत्तम उपाय हैं. और याद रखें: यह केवल बिल्लियों और कुत्तों पर लागू नहीं होता है – यही बात पालतू जानवरों की दुकानों से खरीदे गए दूसरे जानवरों के लिए भी सही है. अपनाने के द्वारा, छात्र पहले से ही अधिक जनसंख्या वाली दुनिया में और भी अधिक जानवरों को लाकर लाभ कमाने वाले व्यवसायों की मदद करने के बजाय जिंदगियां बचा सकते हैं.

COMPASSIONATE CITIZEN